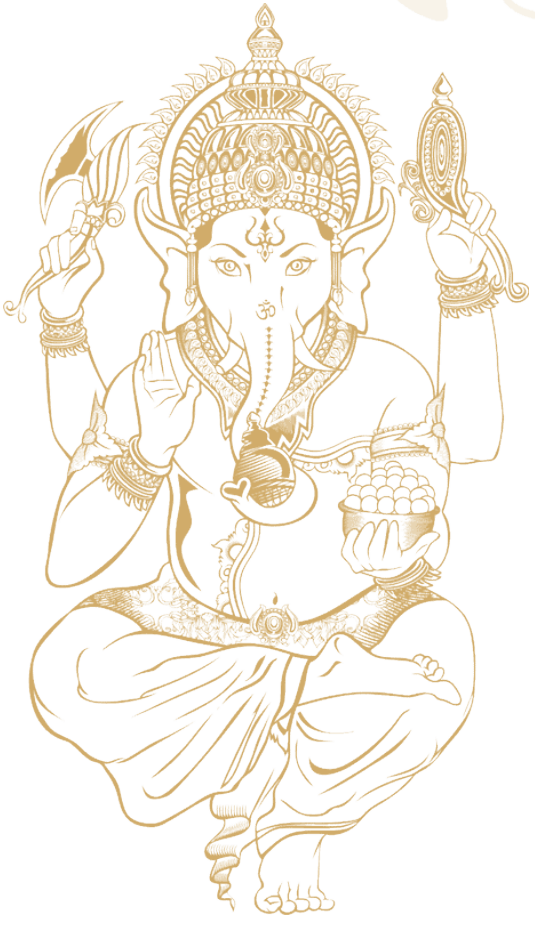

Deepesh singhal

31 Jul 1991

09:35 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121351805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/07/1991**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:35:00 घंटे**
इष्ट	38:52:20 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:57:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:23 घंटे
साम्पातिक काल	17:32:38 घंटे
सूर्योदय	06:02:04 घंटे
सूर्यास्त	19:25:13 घंटे
दिनमान	13:23:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:12:45 कर्क
लग्न के अंश	26:47:48 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	26:47:48	497:19:47	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	14:12:45	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	09:50:45	12:48:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	16:14:46	00:37:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	09:59:00	00:34:07	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	27:00:19	00:12:58	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	13:34:06	00:01:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	09:25:05	00:04:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	25:03:46	00:02:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:03:46	00:02:19	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	17:01:58	00:02:04	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		धनु	21:01:06	00:01:27	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	23:49:17	00:00:05	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			वृश्चि	29:58:49	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:39

लग्न-चलित

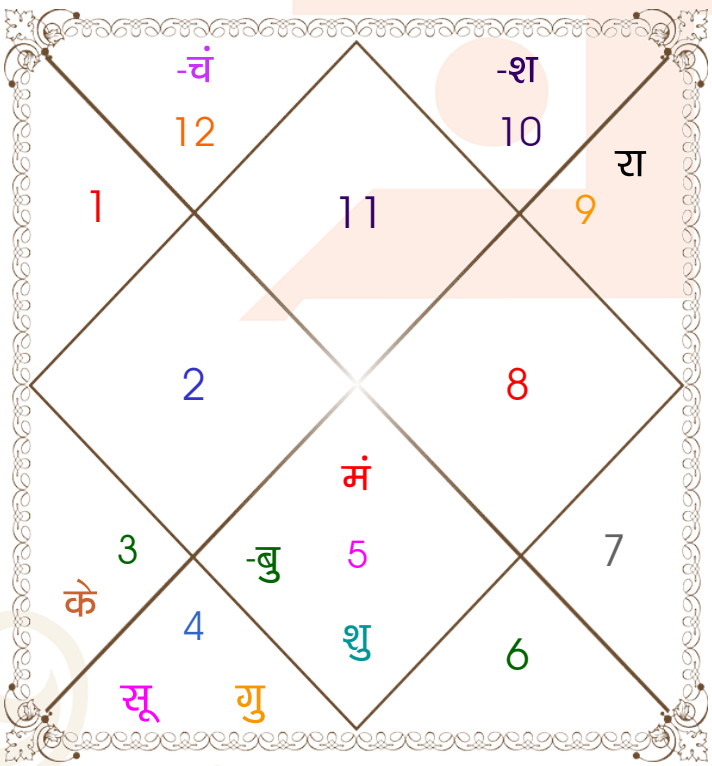

चन्द्र कुंडली

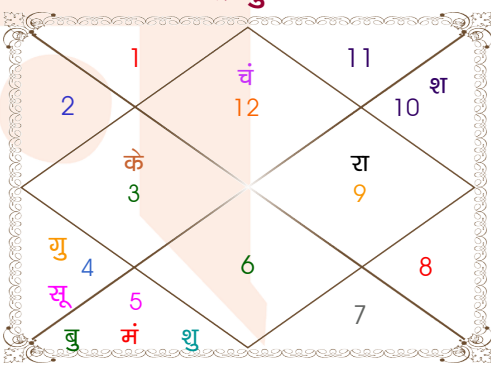

नवमांश कुंडली

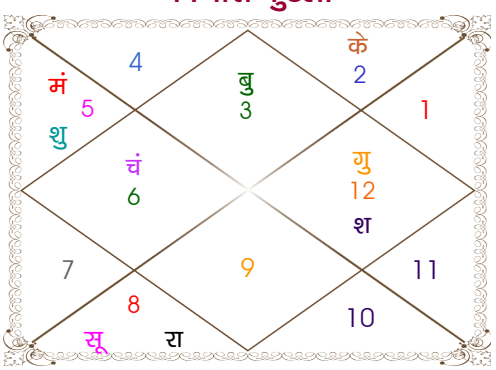

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 8 मास 19 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/07/1991		20/04/2001		20/04/2018		20/04/2025		20/04/2045	
20/04/2001		20/04/2018		20/04/2025		20/04/2045		20/04/2051	
	00/00/0000	बुध	16/09/2003	केतु	16/09/2018	शुक्र	19/08/2028	सूर्य	07/08/2045
	00/00/0000	केतु	12/09/2004	शुक्र	16/11/2019	सूर्य	19/08/2029	चंद्र	06/02/2046
	31/07/1991	शुक्र	14/07/2007	सूर्य	23/03/2020	चंद्र	20/04/2031	मंगल	14/06/2046
शुक्र	10/04/1992	सूर्य	20/05/2008	चंद्र	22/10/2020	मंगल	19/06/2032	राहु	08/05/2047
सूर्य	23/03/1993	चंद्र	19/10/2009	मंगल	20/03/2021	राहु	20/06/2035	गुरु	25/02/2048
चंद्र	22/10/1994	मंगल	16/10/2010	राहु	08/04/2022	गुरु	18/02/2038	शनि	06/02/2049
मंगल	01/12/1995	राहु	05/05/2013	गुरु	15/03/2023	शनि	20/04/2041	बुध	13/12/2049
राहु	07/10/1998	गुरु	11/08/2015	शनि	22/04/2024	बुध	18/02/2044	केतु	20/04/2050
गुरु	20/04/2001	शनि	20/04/2018	बुध	20/04/2025	केतु	20/04/2045	शुक्र	20/04/2051

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/04/2051		20/04/2061		19/04/2068		20/04/2086		21/04/2102	
20/04/2061		19/04/2068		20/04/2086		21/04/2102		00/00/0000	
चंद्र	18/02/2052	मंगल	16/09/2061	राहु	31/12/2070	गुरु	07/06/2088	शनि	24/04/2105
मंगल	18/09/2052	राहु	04/10/2062	गुरु	26/05/2073	शनि	19/12/2090	बुध	02/01/2108
राहु	20/03/2054	गुरु	10/09/2063	शनि	01/04/2076	बुध	26/03/2093	केतु	10/02/2109
गुरु	20/07/2055	शनि	19/10/2064	बुध	19/10/2078	केतु	02/03/2094	शुक्र	01/08/2111
शनि	18/02/2057	बुध	16/10/2065	केतु	07/11/2079	शुक्र	31/10/2096		00/00/0000
बुध	20/07/2058	केतु	14/03/2066	शुक्र	07/11/2082	सूर्य	19/08/2097		00/00/0000
केतु	18/02/2059	शुक्र	14/05/2067	सूर्य	01/10/2083	चंद्र	19/12/2098		00/00/0000
शुक्र	19/10/2060	सूर्य	19/09/2067	चंद्र	01/04/2085	मंगल	25/11/2099		00/00/0000
सूर्य	20/04/2061	चंद्र	19/04/2068	मंगल	20/04/2086	राहु	21/04/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 8 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।